

संस्करण : ग्वालियर

वर्ष : 03

अंक : 156

पृष्ठ : 6

मूल्य : 2.00

ग्वालियर ,05 जनवरी 2026

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज ,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित



3 पर्यटन विभाग की विशेष सचिव के खिलाफ

4 कांग्रेस ने शशि थरूर को दोराहे पर लाकर खड़ा कर

5 फोटोग्राफर्स के कपड़ों को लेकर जया बच्चन के कमेंट पर भड़के पैपराजी

काशी वॉलीबॉल चैंपियनशिप:

खेल के मैदान में जेन-जी को तिरंगा फहराते देख हमें गर्व होता है

पीएम मोदी ने किया वर्चुअली उद्घाटन

मुझे विश्वास है कि इस चैंपियनशिप के दौरान जोश हाई रहेगा



वाराणसी। यह काशी के इतिहास में पहली बार है जब किसी राष्ट्रीय स्तर के चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। डॉक्टर संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता का वर्चुअल उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पोर्ट्स स्टेडियम से उपस्थित

रहकर किया। यूपी वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी इस मौके पर उपस्थित रहे। उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि काशी के सांसद के नाते मेरी ओर से सभी खिलाड़ियों का स्वागत है। 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में आप कड़ी मेहनत से पहुंचे हैं। काशी के मैदान में आपकी कड़ी परीक्षा होगी। आप सभी लोग श्पेक भारत, श्रेष्ठ भारत की सुंदर तस्वीर प्रस्तुत करेंगे। बनारसी भाषा में कहा जाता है कि बनारस को जानना है तो बनारस आना होगा। यह खेल-प्रेमियों का शहर है, कुश्ती, नौका दौड़, मुक्केबाजी यहां मशहूर हैं। काशी ने कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस चैंपियनशिप के दौरान जोश हाई रहेगा। वॉलीबॉल साधारण खेल नहीं है, यह संतुलन का खेल है, संकल्प का खेल

है। बॉल को हमेशा ऊपर ही उठाना होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं तो भारत की डेवलपमेंट स्टोरी और वॉलीबॉल को एक जैसा देखता हूं। टीम का को-ऑर्डिनेशन जरूरी होता है। टीम का हर सदस्य अपनी जिम्मेदारी निभाता है। देश के विकास में भी यही दिखाई पड़ता है। डिजिटल प्लैटफॉर्म से लेकर हर क्षेत्र में ऐसी भावना दिखाई पड़ती है। जब देश विकास करता है तो यह आर्थिक मोर्चे तक सीमित नहीं रहता, बल्कि खेल के मैदान पर भी यही झलकता है। उत्तर प्रदेश में देश की धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी काशी ने खेल जगत में नया इतिहास रच दिया। सिगरा स्थित नवनिर्मित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में 4 से 11 जनवरी तक आयोजित 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने कहा आज खेल समय बबादी

का नहीं बल्कि जीवन की सफलता का माध्यम है। इस अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के शुभारंभ कार्यक्रम में सभी खिलाड़ियों का स्वागत है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी, यह आपकी अविनाशी काशी भव्य आयोजन के लिए तैयार है। सबसे पहले प्रधानमंत्री जी का हृदय से स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े ग्यारह वर्षों में पूरे भारत के समग्र विकास को सभी ने देखा है। भारत आधुनिकता के साथ नए संकल्पों के साथ विकसित भारत की ओर अग्रसर हो रहा है। आज सरकार की योजनाओं से जुड़कर गरीबी रेखा से ऊपर उठकर नया भारत हर कोई देख रहा है। खेलो इंडिया के माध्यम से खेल को लोगों ने नई दृष्टि से समझा है।

दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू, कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना



नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है, जिसमें राजधानी से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। यह सत्र 5 जनवरी से शुरू होकर 8 जनवरी तक चलेगा। चार दिनों तक चलने वाले इस सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है। पुराना सचिवालय स्थित विधानसभा भवन एक बार फिर राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा, जहां जनप्रतिनिधि दिल्ली की जनता से जुड़े मुद्दों को सदन में उठाएंगे।

शीतकालीन सत्र होने के कारण सुरक्षा और प्रशासनिक तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं। सत्र की औपचारिक शुरूआत सोमवार सुबह 11 बजे दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के अभिभाषण से होगी। उपराज्यपाल के अभिभाषण के बाद सदन की कार्यवाही लगभग 30 मिनट के अंतराल के बाद शुरू की जाएगी। अभिभाषण में सरकार की नीतियों, आगामी योजनाओं और राजधानी से जुड़े प्रमुख मुद्दों का खाका पेश किए जाने की उम्मीद है। इस बार

तीन महत्वपूर्ण कैंग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) रिपोर्ट भी पेश करेगी। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास, जिसे शशीश महालक्ष कहा जा रहा है, से जुड़ी रिपोर्ट शामिल है। इसके अलावा दिल्ली जल बोर्ड से संबंधित कैंग रिपोर्ट और दिल्ली सरकार द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों पर आई कैंग रिपोर्ट भी सदन में रखी जाएगी। इन रिपोर्टों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

प्रियंका गांधी बनीं असम की स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्ष

पार्टी ने चुनाव को देखते हुए सौंपी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने वायनाड से लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को असम में पार्टी ने स्क्रीनिंग

लिए बीके हरिप्रसाद को स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। केरल के लिए यह जिम्मेदारी



कमेटी का प्रमुख नियुक्त किया है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के

मधुसूदन मिस्त्री, और तमिलनाडु और पुडुचेरी की जिम्मेदारी टीएस सिंह देव को दी गई है। प्रियंका को पहली बार पार्टी ने स्क्रीनिंग कमेटी की जिम्मेदारी दी है। इस वर्ष होने वाले असम के विधानसभा चुनाव को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। असम में पिछले दस वर्षों से भाजपा सरकार में है।

मनरेगा से बेहतर योजना है विकसित भारत-जी राम जी, कांग्रेस गलत सूचना फैला रही: शिवराज

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किए जाने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (विकसित भारत-जी राम-जी) योजना को लेकर कांग्रेस गलत सूचना फैला रही है। चौहान ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विकसित भारत-जी राम-जी योजना के खिलाफ कांग्रेस के आगामी अभियान की आलोचना की और सवाल किया कि इस मुद्दे पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी



मौजूद क्यों नहीं थे। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ संग्राम की घोषणा की है। यह वास्तव में भ्रष्टाचार बचाओ अभियान है। उन्होंने कहा, मनरेगा भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया था। ग्राम सभाओं द्वारा किए गए सामाजिक ऑडिट में 10,51,000 से अधिक शिक्षावर्त मिलीं। एक ही काम दोहराया गया, काम मशीन

से कराया गया, नहरों एवं सड़कों की सफाई के नाम पर धन की हेरा-फेरी की गई। तीस प्रतिशत मजदूर 60 वर्ष से ऊपर थे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत 8,48,000 करोड़ रुपये से अधिक दिए गए जबकि संयुक्त प्रांतिशील गठबंधन (यूपीए) की पूर्ववर्ती सरकार के दौरान दो लाख करोड़ रुपये से अधिक दिए गए। क्या स्थायी संपत्तियां बनाई गई? क्या इस धन का इस्तेमाल विकास के लिए हो सका? उन्होंने कहा, कांग्रेस झूठ की फैक्टरी है। अब वे कह रहे हैं कि मजदूरों को काम नहीं मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि विकसित भारत-जी राम-जी के तहत

मजदूरों के हित बेहतर ढंग से सुरक्षित रहेंगे। चौहान ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में इस योजना के लिए 1,51,282 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे जिसमें से 95,600 करोड़ रुपये से अधिक केन्द्र का हिस्सा होगा। उन्होंने कहा, 125 दिन के लिए पर्याप्त धन है। इससे गांवों का विकास भी सुनिश्चित होगा। उन्होंने दावा किया कि विकसित भारत-जी राम-जी, मनरेगा से बेहतर योजना है। उन्होंने कहा, कांग्रेस से मेरी अपील है कि वह गलत सूचना और झूठ न फैलाए। इसके बजाय, इस योजना को बेहतर बनाने के लिए उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देना चाहिए। कांग्रेस ने शनिवार को कहा था ।

राम रहीम को फिर मिली पैरोल, हरियाणा सरकार ने 40 दिनों की पैरोल की दी मंजूरी

चंडीगढ़। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुमीत राम रहीम को एक बार फिर पैरोल मिल गई है। राम रहीम को रोहतक स्थित जिला कारागार सुनारिया से 40 दिनों की पैरोल को मंजूरी दी गई है। राम रहीम दो साक्षियों से जुक्तर्म और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में सजा काट रहा है। जानकारी के मुताबिक, 15 सितंबर, 2025 को भी राम रहीम को 40 दिनों की पैरोल मिली थी। इस बार की पैरोल के साथ वह 15वीं बार जेल से बाहर आएगा। पिछली बार जब उसे 21 दिन और 40 दिन की पैरोल मिली थी, तब वह सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा में ही रहा था। इस बार भी 40 दिन की पैरोल मिलने के बाद राम रहीम के सिरसा डेरे में ही रहने की संभावना जताई जा रही है।

सार संक्षेप

पुलिस मुठभेड़ में किशोरी के साथ गैररूप करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र के ओबरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक किशोरी को पहाड़ी पर ले जाकर गैररूप करने के तीन आरोपियों को एक हल्की मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में एक आरोपी के पैर में गोली लगी है जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी अमित कुमार ने रविवार को बताया की 2 जनवरी की शाम थाना ओबरा पर आवेदिका द्वारा लिखित तहरीर दी गई कि उसकी पुत्री उम्र करीब 17 वर्ष मजदूरी करने के उद्देश्य से ग्राम भलुआ टोला में किराये के कमरे में रहती थी। उसकी पुत्री के साथ कार्य करने वाला राजगीर मिस्त्री पप्पू उर्फ बिन्दू यादव पुत्र रवि यादव निवासी कनहरा थाना ओबरा जनपद सोनभद्र ने अपने अन्य दो साथियों के साथ दिनांक 30 दिसंबर को उसकी पुत्री को भलुआ टोला के पूर्व स्थित पहाड़ी पर ले जाकर जबरन दुष्कर्म किया गया। मामले की जानकारी होते ही पुलिस टीम ने प्रकरण की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए मिशन शक्ति केन्द्र थाना ओबरा के माध्यम से पीड़िता एवं उसकी माता से तत्काल संपर्क स्थापित कर संवेदनशील वार्ता, काउंसिलिंग एवं विश्वास बहाली की गई।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा का बजट सत्र 2 फरवरी से शुरू

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का बजट सत्र दो फरवरी से शुरू होगा। जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने अपने वक्तव्य में कहा, मैं, मनोज सिन्हा, केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का उप राज्यपाल जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 18(1) के तहत मुझे दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए जम्मू-कश्मीर विधानसभा को सोमवार, दो फरवरी, 2026 को सुबह 10.00 बजे जम्मू में बैठक के लिए आमंत्रित करता हूं। उप राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला (वित्त विभाग प्रभारी) फरवरी के पहले सप्ताह में केन्द्र शासित प्रदेश का दूसरा बजट पेश कर सकते हैं। बजट सत्र दो हिस्सों में आयोजित किए जाने की संभावना है। इस बजट सत्र के लिए प्रत्येक विधायक बीस प्रश्न, चार प्रस्ताव और दो विधेयक प्रस्तुत कर सकता है। इस बीच, विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी एक बुलेटिन के अनुसार, प्रत्येक विधायक 12 जनवरी, 2026 तक या उससे पहले अधिकतम दस तारिकात और दस अतारिकात प्रश्नों के नोटिस भेज सकते हैं। बुलेटिन में यह भी कहा गया है कि वे 15 जनवरी, 2026 तक या उससे पहले अधिकतम दो विधेयकों के नोटिस भी जमा कर सकते हैं।



नई दिल्ली। विश्वेको और उद्योग सूत्रों के अनुसार, वेनेजुएला के तेल क्षेत्र पर अमेरिकी नियंत्रण अथवा उसके पुनर्गठन से भारत को प्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। विश्वेको ने बताया कि इस घटनाक्रम के चलते काफी समय से लांबित भारत के लगभग एक अरब बताया वामपंथी दलों ने बताया कि अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए एक संप्रभु देश पर



वेनेजुएला में भारतीय संस्थाओं द्वारा संचालित तेल क्षेत्रों से कच्चे तेल का उत्पादन भी बढ़ सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत एक समय वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल का प्रमुख आयातक था और अपने चरम काल में प्रतिदिन चार लाख बैरल से अधिक का आयात करता था। हालांकि, 2020 में अमेरिकी प्रतिबंधों और अनुपालन जोखिमों के

कारण यह आयात बाधित हो गया था। भारत की प्रमुख विदेश तेल अन्वेषण एवं उत्पादन कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) पूर्वी वेनेजुएला के सैन क्रिस्टोबल तेल क्षेत्र का संयुक्त संचालन करती है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण आवश्यक तकनीक, उपकरण और सेवाओं तक पहुंच बाधित होने से वहां उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और व्यावसायिक रूप से उपयोगी भंडार लगभग फंस गए। वेनेजुएला सरकार ने इस परियोजना में ओवीएल की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी पर 2014 तक देय 53.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लाभांश अभी तक नहीं चुकाया है। इसके बाद की अवधि के लिए भी लगभग समान राशि बकाया है, किंतु ऑडिट की अनुमति न मिलने के कारण इन दावों का निपटन लंबित है। विश्वेको के अनुसार,

अमेरिकी दादागिरी के खिलाफ वामपंथी दलों ने

विरोध-प्रदर्शन का किया ऐलान,

बोले-एक संप्रभु देश पर सीधा हमला

नई दिल्ली। देश के पांच प्रमुख वामपंथी दलों ने अमेरिकी दादागिरी के खिलाफ देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया है। रविवार को इन दलों ने एक बयान जारी कर वेनेजुएला के खिलाफ अमेरिकी सैन्य हमले और वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोर्स के अपहरण की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक राष्ट्र की संप्रभुता पर हमला बताया। वामपंथी दलों ने बताया कि अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए एक संप्रभु देश पर

सीधा हमला किया है। उन्होंने अमेरिकी कार्रवाई को संयुक्त राष्ट्र चार्टर का स्पष्ट उल्लंघन बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हालिया टिप्पणियों ने हमले के पीछे के मकसद को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा, हम वेनेजुएला के खिलाफ अमेरिकी हमले और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोर्स के अपहरण की कड़ी निंदा करते हैं। यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन करते हुए एक संप्रभु राष्ट्र के खिलाफ किया गया हमला है। वामपंथी दलों ने

राष्ट्रपति ट्रम्प की हालिया टिप्पणी की ओर इशारा किया जिसमें उन्होंने वेनेजुएला के तेल भंडार पर कब्जा करने की बात कही है। वामपंथियों ने इसे साम्राज्यवादी इरादे का सबूत बताया। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रबियो की टिप्पणियों की भी जोरदार आलोचना की, जिसमें उन्होंने बयूबा और मैक्सिको को अमेरिकी कार्रवाई का अगला लक्ष्य बताया। वामपंथी दलों ने कहा, ये बयान अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति 2025 जारी होने के कुछ दिनों बाद आए हैं।

बाड़मेर-बालोतरा सीमा का पुनर्गठन

तुगलकी आदेश : गहलोत

राजस्थान। गहलोत ने कहा, यह आम जनता के साथ घोर अन्याय है। स्पष्ट है कि यह निर्णय जनसुविधा के लिए नहीं बल्कि आगामी परिसीमन और सियासी समीकरणों को साधने के लिए लिया गया है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भाजपा सरकार द्वारा किए गए बाड़मेर और बालोतरा जिलों की सीमाओं के पुनर्गठन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने रविवार को इस कदम को तुगलकी आदेश करार देते हुए कहा कि यह जल्दबाजी में लिया गया निर्णय है जो जनहित के खिलाफ है। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बायतु को बाड़मेर जिले में और गुड़ामालानीझांधोरीमन्ना को बालोतरा में शामिल करने का निर्णय प्रशासनिक

दृष्टि से कतई तर्क संगत नहीं है। इससे गुड़ामालानी क्षेत्र की जनता के लिए जिला मुख्यालय की दूरी कम होने के बजाय और बढ़ गई है। गहलोत ने कहा, यह आम जनता के साथ घोर अन्याय है। स्पष्ट है कि यह निर्णय जनसुविधा के लिए नहीं बल्कि आगामी परिसीमन और सियासी समीकरणों को साधने के लिए लिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाने की मंशा से नए जिले बनाए थे, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मौजूदा सरकार जनभावनाओं को दरकिनार कर केवल सियासी रोटियां सेकने में व्यस्त है। उन्होंने इस कदम की कड़े शब्दों में निंदा की।



वाराणसी। उत्तर प्रदेश में देश की धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी काशी ने खेल जगत में नया इतिहास रच दिया। सिगरा स्थित नवनिर्मित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में 4 से 11 जनवरी तक आयोजित 72वीं सीनियर नेशनल

वॉलीबॉल चैंपियनशिप उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने कहा आज खेल समय बबादी का नहीं बल्कि जीवन की सफलता का माध्यम है। गरीबी रेखा से ऊपर उठकर नया भारत हर कोई देख रहा है। इस अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

ने कहा कि 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के शुभारंभ कार्यक्रम में सभी खिलाड़ियों का स्वागत है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी, यह आपकी अविनाशी काशी भव्य आयोजन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, सबसे पहले प्रधानमंत्री जी का हृदय से स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े ग्यारह वर्षों में पूरे भारत के समग्र विकास को सभी ने देखा है। भारत आधुनिकता के साथ नए संकल्पों के साथ विकसित भारत की ओर अग्रसर हो रहा है। आज सरकार की योजनाओं से जुड़कर गरीबी रेखा से ऊपर उठकर नया भारत हर कोई देख रहा है। सीएम योगी ने कहा, खेलो इंडिया के माध्यम

से खेल को लोगों ने नई दृष्टि से समझा है। आज खेल समय की बबादी नहीं, बल्कि जीवन की सफलता का माध्यम है। हर जनपद में विभिन्न खेलों के आयोजन निरंतर हो रहे हैं, जिससे खेल के आयाम बढल रहे हैं। गांव से लेकर शहर स्तर तक खेल की तमाम योजनाएं चल रही हैं और नई बन रही हैं। आज के इस पूरे आयोजन के पीछे प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा है। खेलों में आए बदलाव के पीछे प्रधानमंत्री जी का विजन है। उत्तर प्रदेश में पिछले आठ वर्षों में हर जनपद में स्टेडियम, ओपन जिम और खेलों को आगे बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। आज हमारे खिलाड़ी ओलंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्स और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेलों में हिस्सा ले रहे हैं।



ग्वालियर -सोमवार,०५ जनवरी २०२६

केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का निरीक्षण किया



गोरखपुर: रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का निरीक्षण

करने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने स्लीपर कोचों का बारीकी से निरीक्षण किया, जिसमें बैठने और सोने की

व्यवस्था, आधुनिक इंटीरियर, सुरक्षा सुविधाएँ और यात्री सुविधा प्रणालियाँ शामिल थीं। ट्रेन में यात्री सुरक्षा और उपलब्ध सुविधाओं पर खास जोर दिया गया है। इस ट्रेन में

स्वचालित दरवाजे, कवच सुरक्षा प्रणाली, आधुनिक अग्नि सुरक्षा तकनीक और सभी डिब्बों में सीसीटीवी निगरानी जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। स्वच्छता बढ़ाने और पानी के छिंटे रोकने के लिए शौचालयों को खास तौर पर नई डिजाइनों के साथ तैयार किया गया है, जो यात्रियों के आराम और स्वच्छता पर भारतीय रेलवे के विशेष ध्यान को दर्शाता है। पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन असम के गुवाहाटी और पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बीच चलेगी, जो देश में लंबी दूरी की रात्रिकालीन रेल यात्रा में एक क्रांतिकारी कदम होगा। ट्रेन के परीक्षण, जांच और प्रमाणीकरण की पूरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी

हो चुकी है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जनवरी में इस मार्ग पर पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान रेल अधिकारियों से बातचीत की और ट्रेन के तकनीकी पहलुओं की समीक्षा कर इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन पूरी तरह से तैयार है। ट्रेन में १६ कोच हैं, जिनमें ११ एसी थ्री-टियर कोच, चार एसी टू-टियर कोच और एक एसी फर्स्ट क्लास कोच शामिल हैं और इसमें क्रीब ८२३ यात्री सफर कर सकते हैं। उन्नत सस्पेंशन सिस्टम, एर्गोनॉमिक इंटीरियर और उच्च स्वच्छता मानकों के साथ इस ट्रेन को उत्कृष्ट यात्रा और आरामदायक बनाने के लिए डिजाइन किया गया

है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में यात्रा करने वाले मुसाफिरों को यात्रा के दौरान क्षेत्र विशेष व्यंजनों का आनंद मिलेगा। गुवाहाटी से शुरू होने वाली ट्रेन में प्रामाणिक असमिया व्यंजन परोसे जाएंगे, जबकि कोलकाता से शुरू होने वाली ट्रेन में पारंपरिक बंगाली व्यंजन उपलब्ध होंगे, जिससे ट्रेन में एक आनंददायक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध भोजन का अनुभव होगा। १८० किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार पर चलने वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन कम समय लेने के साथ ही आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराती है, जिससे साफ होता है कि भारतीय रेलवे यात्री-केंद्रित सेवाओं और तकनीकी नवाचार पर फोकस कर लगातार आगे बढ़ रही है।

मेला यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु रेल प्रशासन का सहयोग करें

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी

मकर संक्रान्ति (खिचड़ी) पर्व के अवसर पर गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मन्दिर में लगने वाले खिचड़ी मेला के दौरान श्रद्धालु यात्रियों को सुविधाजनक, सुरक्षित एवं संरक्षित यात्रा उपलब्ध कराने के लिये तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश एवं बिहार के विभिन्न जनपदों के अतिरिक्त पड़ोसी देश नेपाल से भारी संख्या में श्रद्धालु यात्रियों का गोरखपुर आगमन होता है। मेला अवधि में यात्रियों की सुविधा हेतु 0५०१६/०५०१५ गोरखपुर-नौतनवा-गोरखपुर अनारक्षित विशेष गाड़ियों का संचलन १० फेरों के लिये किया जायेगा साथ ही १८ एक्सप्रेस गाड़ियों का अस्थाई ठहराव नकहा जंगल स्टेशन पर प्रदान किया गया है। मेला अवधि में गोरखपुर जं. स्टेशन पर स्टेशन के बाहरी परिसर में यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु बैरिकेडिंग की जायेगी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये डॉंग

स्क्वाड द्वारा स्टेशन परिसर में समय-समय पर चेकिंग की जायेगी तथा ड्रोन कैमरा से स्टेशन परिसर की निगरानी सुनिश्चित की जायेगी। मेला अवधि में यात्रियों की सुविधा हेतु नकहा जंगल स्टेशन पर एक होल्डिंग एरिया बनाया गया है साथ ही पर्याप्त संख्या में मोबाइल प्रसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है। राजकीय रेलवे पुलिस एवं रेलवे सुरक्षा बल के जवानों तथा वाणिज्य विभाग के रेल कर्मियों को गोरखपुर जं. एवं नकहा जंगल स्टेशन पर तैनात किया जायेगा ताकि मेला में आने वाले रेल यात्रियों को बेहतर सुविधा प्राप्त हो। स्टेशनों पर साफ-सफाई के व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं। स्टेशन पर २४ घंटे सहायता बू्थ संचालित होगा। स्टेशन परिसर में अवांछनीय तत्वों पर सी.सी.टी.वी. कैमरों के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। जनसूचना प्रणाली के माध्यम से निरन्तर यात्रियों को बिना टिकट

यात्रा न करने, टेज की छत एवं पायदान पर यात्रा न करने, ज्वलनशील/विस्फोटक/हानिकारक सामग्री लेकर न चलने, स्टेशन परिसर में गन्दगी न करने, अनाधिकृत व्यक्तियों से खानपान सामग्री क्रय न करने तथा दलालों के माध्यम से टिकट की खरीद न करने के अपील की जा रही है। स्टेशनों पर फर्स्ट एंड बॉक्स की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है ताकि आवश्यकता पर यात्रियों को स्टेशन परिसर में ही प्राथमिक उपचार मिल सके। गोरखपुर जं. एवं नकहा जंगल स्टेशनों पर यात्री सहायता बू्थ लगाये जायेंगे, जिन पर वाणिज्य कर्मी तैनात रहेंगे। नकहा जंगल स्टेशन पर अतिरिक्त टिकट काउंटर खोले गये हैं। सुरक्षा एवं संरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये बैगेज स्कैनर एवं सी.सी.टी.वी. पर कार्यरत कर्मचारियों को विशेष निर्देश दिये गये हैं। मेला यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु रेल प्रशासन का सहयोग करें।

महाठग सोनी का कनेक्शन क्रिप्टो करेंसी घोटाले के आरोपी से जुड़ा

कानपुर। कानपुर पुलिस की जांच में रविंद्रनाथ सोनी और क्रिप्टो घोटालेबाज अमित लखनपाल के



बीच बातचीत के सबूत मिले हैं। सिंडिकेट ने १२ कंपनियों के जरिए दुबई और जापान समेत कई देशों में ठगी की, जिसकी जांच अब सीबीआई और ईडी के हवाले है। कई देशों के १५०० से अधिक लोगों से ठगी करने के आरोपी रविंद्रनाथ सोनी का कनेक्शन क्रिप्टो करेंसी

नंबर मिला है। कमिश्नरी पुलिस की एसआईटी कनेक्शन को और गहराई से जांचने में जुट गई है। ईडी के बाद सीबीआई को भी ब्लूचिप व अन्य कंपनियों के नाम से हुई ठगी की पूरी रिपोर्ट दे दी गई है। कोतवाली पुलिस ने ४२.२९ लाख रुपये की ठगी में दिल्ली के मालवीयनगर के

सिक्वोरिटी गार्ड पर जानलेवा हमला दबंगों ने सिर फोड़ा

नाक पर गंभीर वार पीड़ित ने पुलिस से लगाई गुहार

कानपुर। पनकी के रतनपुर में दबंगों ने एक सिक्वोरिटी गार्ड पर जानलेवा हमला कर उसका सिर फोड़ दिया। पीड़ित को शिकायत पर पुलिस कांशौराम कॉलोनी के दबंगों की तलाश में जुटी है। कानपुर में पनकी थाना क्षेत्र के रतनपुर चौकी अंतर्गत दवंगई का एक मामला सामने आया है। यहां कांशौराम कॉलोनी के रहने वाले दबंगों ने एक सिक्वोरिटी गार्ड पर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित गार्ड के शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं, जिसके बाद इलाके में तनाव का माहौल है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित सिक्वोरिटी गार्ड को कांशौराम कॉलोनी के दबंगों ने घेर लिया। इसके बाद दबंगों ने गार्ड के सिर पर प्रहार किया, जिससे उसका सिर फट गया। इसके अलावा उसकी नाक पर भी गंभीर चोट आई है। लहलुहान हालत में पीड़ित गार्ड ने थाने पहुंचकर दबंगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रतनपुर चौकी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप

बस्ती। हरैया थाना क्षेत्र की एक युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र की रहने वाली पीड़ित युवती ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि परसरामपुर थानाक्षेत्र का रहने वाला आरोपी सनाउल्लाह से उनके संपर्क में आया और दोनों के बीच बातचीत होने लगी। शादी का झांसा देकर आरोपी ने यौन शोषण किया। शादी कराने की बात कहने पर टाल-मटोल करने लगा। जब इसकी जानकारी आरोपी के घरवालों को दी तो वह भड़क गए। युवती को अपशब्द कहते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। इसके बाद युवती ने इसकी शिकायत हरैया थाने पर की। हरैया पुलिस ने आरोपी सनाउल्लाह के अलावा उसके माता-पिता समेत पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चोरी के पशुओं को पार लगा रहे पश्चिम के तस्कर लोकल एजेंट दिखा रहे राह

बस्ती। पूर्वांचल में खरीदफरोख़ कर पशुओं की तस्करी नहीं हो रही है, बल्कि पश्चिम के तस्करों ने ऐसा नेटवर्क खड़ा कर लिया है कि उन्हें चोरी के पशु एकत्र करने से लेकर पार लगाने तक में कठिनाई नहीं हो रही है। क्षेत्रवार सक्रिय लोकल एजेंट इन तस्करों की पूरी मदद कर रहे हैं। पूस, माघ की सर्द भरी रात में घने कोहरे के बीच किसानों के यहाँ से पहले पशु चुरा रहे हैं। इसके एवज में तस्करों से उन्हें अच्छ खासा रकम भी मिल रहा है। बस्ती जनपद सीमा ७० किमी के दायरे में हैं। इस जिले की सीमा से गोंडा, आंबेडकर, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर समेत चार जनपद जुड़े हैं। इन जनपदों का सुदूर ग्रामीण अंचल की सड़क से कई जगह जुड़ाव है। संपर्क मार्गों की जानकारी पश्चिम के तस्करों को नहीं रहती है। इसीलिए क्षेत्रवार इनके लोकल एजेंट सक्रिय हैं। पूरे नेटवर्क में दो तीन श्रेणी के एजेंट शामिल हैं। क्षेत्रवार लोकल व्यक्ति ही मुख्य कैरियर की भूमिका में रहता है। यह पशुओं को पिकअप वाहन में लादकर संपर्क मार्गों के जरिये जनपद सीमा पार कराते हैं। वहीं इनके नीचे के एजेंट दिन भर रेकी करके रात में पशुओं की चोरी करते हैं। उसे कैरियर के अड्डे तक पहुंचाते हैं।

पुलिस हुई सक्रिय थानों से मांगी पशु तस्करों की रिपोर्ट

बस्ती। पशु तस्करी के मामले में पुलिस सक्रिय हो गई है। एएसपी श्यामकांत ने शनिवार को सभी थानों को पत्र लिखकर पशु तस्करों की रिपोर्ट मांगी है। इसमें पशु चोरी की घटनाओं से पदार्फाश तक विवरण मांगा गया है। थाना कार्यालयों में पुलिस कर्मी दिन भर पशु तस्करों से संबंधित डाटा संकलित करने में जुटे रहे। कुछ जगहों पशु चोरी का केस दर्ज नहीं होने से रिपोर्ट तैयार करने कठिनाई भी सामने आ रही है। एएसपी ने बताया कि जिले के सभी थानों से पशु तस्करों की रिपोर्ट मंगाकर पुलिस उस पर रणनीति के तहत कार्य करेगी। बहुत जल्द पशु तस्करों के गिरोह का पदार्फाश किया जाएगा। प्रत्येक थाने के २५ प्रतिशत स्टॉफ़ को रात्रि गश्त में लगावा जाएगा।

जिला जज ने घोषित किए पांच दिन के लोकल अवकाश

बस्ती। जिला जज शमशुल हक ने पांच दिन के लोकल अवकाश घोषित कर दिए गए हैं। यह घोषणा जिला मजिस्ट्रेट बस्ती के कार्यालय से वर्ष २०२६ में उपयोग के लिए प्राप्त अवकाश सूची के अनुसार की गई है। २६ अगस्त को ईद-ए-मिलाद, २८ अगस्त को रक्षाबंधन, १४ जनवरी को मकर संक्रांति, ५ मार्च को होली तथा ११ अगस्त को शिवरात्रि के उपलक्ष्य में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

दो स्थानों से बाइक चोरी

बस्ती। कोतवाली पुलिस ने बाइक चोरी की दो घटनाओं में ऑनलाइन शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज किया है। आवास विकास कॉलोनी निवासी शरद कुमार पांडेय ने तहरीर में बताया है कि २७ दिसंबर २०२५ की शाम करीब ७:३० बजे उनकी बाइक को मड़वानगर पुलिस चौकी से करीब सौ मीटर पहले खीरीघाट भटोलवा से चोरी कर ली गई। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चल सका। वहीं नगर थानाक्षेत्र के नेवरी गाड़ा कुसरोत निवासी संजय कुमार ने तहरीर देकर शिकायत की है कि बस्ती शहर में वी-मार्ट के पास से २७ दिसंबर २०२५ की शाम करीब ७:१५ बजे उनकी बाइक को किसी ने चुरा लिया।

श्रमिकों और किसानों का धरना जारी

वाल्टरगंज। गोविंद नगर शुगर मिल के श्रमिकों और किसानों का धैर्य अब जवाब दे रहा है। अपनी मांगों और बकाया भुगतान के लिए शुरू हुआ धरना लगातार १३७वें दिन जारी है, मगर प्रशासन और मिल प्रबंधन की चुप्पी बरकरार है। भीषण ठंड और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद प्रदर्शनकारी शुगर मिल गेट पर डटे हुए हैं। नित्यराम चौधरी, वीरेंद्र चौधरी, महेश पांडेय, अंगद, राम लखन शुक्ल, प्रदीप का कहना है कि चार माह से अधिक समय से जारी इस धरना के बाद भी अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है।

पुलिसकर्मियों की पदोन्नति परीक्षा पांच को

बस्ती। पुलिसकर्मियों की पदोन्नति परीक्षा पांच जनवरी को होगी। इसमें पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय), सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (लैपिंक) एवं सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (लेखा) पदों की सीधी भर्ती-२०२३ के अभिलेख सत्यापन एवं शारीरिक मानक परीक्षण को पारदर्शी तरीके से कराने के लिए शनिवार को पुलिस लाइंस में बैठक हुई। एसपी अभिनंदन ने एएसपी, सीओ लाइंस व संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर परीक्षा की रणनीति तय की। भर्ती ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को परीक्षा का निष्पक्ष कराने के निर्देश दिए।

जलनिकासी की समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

बस्ती। नगर पालिका के वार्ड नंबर दो दफाली टोला में जलनिकासी समस्या से निजात के लिए यहां के लोगों ने डीएम को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में सोमनाथ सोनकर ने बताया है कि दूड़ा के जलरिे सड़क बनाई जा रही है, लेकिन नाली की व्यवस्था नहीं की जा रही है।इससे मोहल्ले का पानी निकल नहीं पाता है। जनश्रवाव से सांसत होती है। सड़क की गुणवत्ता भी ठीक नहीं है। बताया कि अवैध कब्जा के चलते नाली अवरोध है। जांच कर कार्रवाई की जाए।

बकाएदारों के घर कर्मी पहुंचा रहे नोटिस

बस्ती। नगर पालिका में गृह व जल कर के बड़े बकाएदारों के घर कर्मी नोटिस पहुंचाकर जल्द बकाया जमा करने के लिए अपील कर रहे हैं। केएनए डॉ. उदयभान का कहना है कि पांच हजार से अधिक उपभोक्ता पर बकाया है। जिनके घर बिल सहित जल्द बकाया जमा करने संबंधी नोटिस भी भेजा जा रहा है। बताया कि इससे नपा की आय बढ़ेगी।



संपादकीय

भारत-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इस साल 2 अप्रैल से भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ और रूस से तेल खरीदने के कारण उतना ही अतिरिक्त जुमार्ना भी लगाया गया, जिससे कुल टैरिफ बढ़ कर 50 प्रतिशत हो गया। भारतीय निर्यात पर इसके विपरीत प्रभाव को देखते हुए भारत के लिए आवश्यक हो गया कि वह अन्य बाजारों में अवसर खोजे और इसी के परिणामस्वरूप कुछ देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफ.टी.ए.) किए गए। इन्हीं में कनाडा भी एक है जिसके साथ एफ.टी.ए. के लिए बातचीत चल रही है। कनाडा सरकार ने भारत-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफ.टी.ए.) पर जनता की राय लेने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। मगर भारत विरोधी वर्ल्ड सिख ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यू.एस.ओ.) और दूसरे खालिस्तानी संगठन एफ.टी.ए. के खिलाफ प्रचार कर रहे हैं ताकि वह पटरी पर न चढ़ सके। हमारे संगठन फ्रैंड्स ऑफ कनाडा एंड इंडिया फैडरेशन ने एफ.टी.ए. के समर्थन में कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मंत्री मनिंदर सिद्धू को एक पत्र लिखा है, हम पूरे कनाडा में रेडियो और टी.वी. के जरिए लोगों को इसका समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, इससे डायस्पोरा (कनाडा में रहते भारतीय) को मदद मिलेगी। सबमिशन की आखिरी तारीख 27 जनवरी है। पत्र में हमने लिखा है-हमें यह जानकर खुशी हुई कि भारतीय व्यापार मंत्री श्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में भारतीय व्यापार मिशन नए साल में ओटावा का दौरा कर रहा है। भारत और कनाडा दो ऐसे समाज हैं, जिनकी लोकतंत्र, बहुलता और नियम-आधारित व्यवस्था के प्रति सम्मान की सांझी विरासत है, जो इन दोनों देशों को स्वाभाविक सहयोगी बनाती है। दोनों देशों के हित आर्थिक क्षेत्र में भी मिलते हैं। आपसी हितों की यह बैठक व्यापक आध्यक सांझेदारी समझौते (सी.ई.पी.ए.) के सफल निष्पादन में बदलनी चाहिए। सरकारें इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि यह सांझेदारी तेल और गैस, खनिज और कृषि जैसे क्षेत्रों में किस मैक्रोइकोनॉमिक पैमाने पर पहुंच सकती है, जहां व्यापार में \$25 बिलियन से बढ़ाकर \$50 बिलियन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। भारत और कनाडा के संबंध खास हैं क्योंकि हमारे लोगों के बीच मजबूत संबंध हैं। इंडो-कनाडियन समुदाय की जड़ें कनाडा में 1887 से हैं। इंडो-कनाडियन समुदाय दोनों देशों के बीच एक जीवित पुल की तरह है। सफल और साधन संपन्न इंडो-कनाडियन समुदाय को माइक्रोइकोनॉमिक स्तर पर इस आर्थिक सांझेदारी में विकास के इंजन के रूप में देखा जाना चाहिए। लोगों का नैटवर्क दोनों देशों के बीच व्यापार के अवसरों के लिए नए रास्ते खोल सकता है, जिनकी अन्यथा कल्पना नहीं की जा सकती। इंडो-कनाडियन समुदाय इस समझौते में एक महत्वपूर्ण हितधारक है और दोनों सरकारों को सामुदायिक संगठनों द्वारा भागीदारी और निरंतर जुड़ाव को प्रोत्साहित करना चाहिए। सी.ई.पी.ए. को इंडो-कनाडियन समुदाय में बहुत समर्थन प्राप्त है। यह दुनिया में स्थिरता और कनाडा और भारत में आर्थिक समृद्धि लाएगा।-

भारतीय महिलाओं के बच्चे न पैदा करने का असली कारण



महिलाओं को प्रजनन संबंधी ज्ञान देना कोई नई बात नहीं है। गर्भिनीरोधक के अभाव के दौर में, इसका मतलब था कुंवारी युवा दुल्हनों की जल्दी शादी कर देना और क्रिकेट टीम के आकार के परिवार पैदा करना। वास्तव में, कोई विकल्प नहीं था, यह प्रजाति के अस्तित्व का सवाल था। फिर, हमने बीमारियों को रोकने के तरीके खोजे, यहां तक कि कुछ को खत्म भी कर दिया। जो बच्चे पहले जन्म के समय या शिशु अवस्था में मर जाते थे, वे नहीं मरने लगे। जनसंख्या का आंकड़ा लाखों से बढ़कर एक अरब से अधिक हो गया, सटीक रूप से कहे तो 1.4 अरब। अब, अर्थशास्त्री और विचार-संस्थाएं चेतावनी दे रही हैं कि हमारा जनसांख्यिकीय लाभांश जनसांख्यिकीय गिरावट में बदल रहा है। हममें से जो लोग ऐसे युग में पले-

रश्मी बंसल महिलाओं की प्रजनन क्षमता पर हर किसी की अपनी राय है। जोहो के श्रीधर वेम्बू ने हाल ही में इस विषय पर अपनी राय देते हुए महिलाओं को सलाह दी कि वे 20 की उम्र में ही बच्चे



पैदा कर लें, न कि इस फैसले को टालें। महिलाओं को प्रजनन संबंधी ज्ञान देना कोई नई बात नहीं है। गर्भिनीरोधक के अभाव के दौर में, इसका मतलब था कुंवारी युवा दुल्हनों की जल्दी शादी कर देना और क्रिकेट टीम के आकार के परिवार पैदा करना। वास्तव में, कोई विकल्प नहीं था, यह प्रजाति के अस्तित्व का सवाल था। फिर, हमने बीमारियों को रोकने के तरीके खोजे, यहां तक कि कुछ को खत्म भी कर दिया। जो बच्चे पहले जन्म के समय या शिशु अवस्था में मर जाते थे, वे नहीं मरने लगे। जनसंख्या का आंकड़ा लाखों से बढ़कर एक अरब से अधिक

हो गया, सटीक रूप से कहे तो 1.4 अरब। अब, अर्थशास्त्री और विचार-संस्थाएं चेतावनी दे रही हैं कि हमारा जनसांख्यिकीय लाभांश जनसांख्यिकीय गिरावट में बदल रहा है। हममें से जो लोग ऐसे युग में पले-बढ़े हैं, जहां सरकार ने हम दो, हमारे दो को आदर्श के रूप में बढ़ावा दिया, उनके लिए यह बात स्वाभाविक रूप से भ्रमित करने वाली है। फिर, जनसंख्या को एक समस्या के रूप में बेचा गया और निरोध को रामबाण के रूप में प्रस्तुत किया गया। अब बात करते हैं जेनरेशन एक्स की, जो 1990 के दशक में शादी के लिए तैयार हुई। रविवार के अखबारों में आधे से ज्यादा सांकेतिक भाषा में लिखे वैवाहिक विज्ञापन भरे रहते थे। आई.आई.एम. अहमदाबाद के 1993 बैच (जिसमें मैं भी शामिल हूं) के पास प्रेम विवाह या तयशुदा विवाह का

विकल्प था। मैं शादी नहीं करूंगा जैसा कोई विकल्प था ही नहीं। शादी के बाद, आप 2 से 5 साल के भीतर खुशखबरी सुना देते थे। हममें से कई लोग हमारे दो से हमारा एक पर पहुंच गए, लड़का हो या लड़की, कोई भी चलेगा। तो, अगली पीढ़ी के लिए एकमात्र तात्कक संख्या शून्य ही हो सकती थी। और अब जब आप स्वाइप करके अपनी जिंदगी जी सकते हैं, तो शादी करने की जरूरत ही क्या है? लेकिन यहां तक कि जो लोग करण जौहर से प्रेरित अपनी खुद की शादी के प्रोडक्शन के स्टार बनने से खुद को रोक नहीं सकते, उनके लिए भी बच्चे अभी नहीं हैं-अभी नहीं, और शायद कभी नहीं। ऐसा क्यों हो रहा है, इस बारे में कई तरह के सिद्धांत हैं। लड़कियां करियर पर बहुत ज्यादा ध्यान देना चाहती हैं से लेकर युवा बड़े होकर जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते तक। लेकिन जिन साहसी माता-पिता के बच्चे हैं, उन्हें देखकर मैं एक अलग निष्कर्ष पर पहुंची हूं। समस्या शायद वही है जिसे मैं परफैक्ट पेरेंट सिंड्रोम कहती हूं।जीवन में उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले आज के युवा जोड़े न केवल कार्यालय में, बल्कि पालन-पोषण के क्षेत्र में भी सर्वोच्च स्थान पाने का प्रयास करते हैं। मैंने ऐसे माता-पिता देखे हैं, जो आमतुंकों से कहते हैं कि घटी न बजाएं क्योंकि इससे बच्चे को परेशानी होगी। ऐसे माता-पिता भी हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि उनका बच्चा कभी भी अकेला न रहे, एक मिन्ट के लिए भी

नहीं। और ऐसे भी हैं जो चम्मच लेकर उनके पीछे-पीछे दौड़ते रहते हैं और कहते हैं, बस एक और निवाला! स्वाभाविक रूप से, इंस्टाग्राम पर दिखने वाली मनमोहक तस्वीरों के बावजूद, पालन-पोषण करना बेहद थका देने वाला काम है। क्रिकेट टीम पालने वाली हमारी दादी-नानी को ऐसी कोई झूझता नहीं होती थी। उनके पास चाचा-बुआ, दीदी-भैयाओं का एक पूरा समूह होता था, जो मिलकर बच्चे की परवरिश करता था। इसका मूल अर्थ था- बच्चे को खाना खिलाना और कपड़े पहनाना। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना कि कहीं वह आसपास पड़ी चमकदार धातु की वस्तुओं को निगलकर खुद को नुकसान न पहुंचा ले।अब सारा दबाव माता-पिता पर है, विशेषकर मां पर। अगर वह काम करती है, तो इसका मतलब है ऑफिस की राजनीति के साथ-साथ घर पर नौकरानी, सहायक नौकरानी, रसोइया, आया, ड्राइवर, धोबी आदि का भी ध्यान रखना। और इतनी सारी मदद के बावजूद और सिर्फ एक बच्चे के साथ भी, वह अपनी मां से 10 गुना ज्यादा तनाव में रहती है, जो दिन में 3 बार खाना खुद बनाती थीं तो, आप पूछ सकते हैं कि इसका समाधान क्या है? कम उम्र में (20 के दशक के अंत में) बच्चे पैदा करना हां, कुछ समय के लिए यह थोड़ा अस्त-व्यस्त जरूर होगा, लेकिन फिर आपके पास 40 और उसके बाद का पूरा जीवन आनंद लेने के लिए होगा या फिर देर से (30 के दशक के मध्य

और उसके बाद) बच्चे पैदा करना-आपके पास ज्यादा संसाधन होंगे और (उम्मीद है) आप ज्यादा परिपक्व भी होंगे? हालांकि, आपको 50 की उम्र में भी स्कूल की पेरेंट्स-टीचर एसोसिएशन (पी.टी.ए.) में भाग लेना पड़ेगा। उ आइए जो भी हो, बच्चों की परवरिश करना आज के समय में पहले से कहीं ज्यादा मुश्किल हो गया है। बच्चों के पालन-पोषण के लिए जिस तरह के सामाजिक सहयोग की जरूरत होती है, वह अब हमारे पास नहीं है, और न ही कोई वैकल्पिक सहायता प्रणाली है। हममें से कितने लोगों के पास ऐसे पड़ोसी हैं जो परिवार जैसे हैं और जिन पर हम भरोसा कर सकते हैं कि जरूरत पड़ने पर हमारा बच्चा उनके साथ 1-2 घंटे बिता सकता है? शायद ऐसे लोग मौजूद हों लेकिन हमें उन्हें जानने का समय ही नहीं मिलता। और फिर कुछ आई.आई.एम. से पढ़े-लिखे दंपति भी होते हैं, जो पूरी गंभीरता से कहते हैं, हम बच्चे का खर्च नहीं उठा सकते। उनका असल मतलब होता है-हम अपने बच्चे को शहर के सबसे महंगे स्कूल में और बाद में किसी बेहद महंगी आइवो लीग यूनिवर्सटी में नहीं भेज पाएंगे (जो कि जन्मसिद्ध अधिकार है!)। भाई, बच्चों को इन चीजों की जरूरत नहीं होती-उन्हें बस प्यार चाहिए। और हां, थोड़ा संघर्ष किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि शायद यही उनके लिए जरूरी हो ताकि वे कू ल, आत्मविश्वासी, संतुष्ट, जागरूक और समाज के लिए उपयोगी नागरिक बन सकें।

कांग्रेस ने शशि थरूर को दौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया



मनजीत सोदी पिछले 45 वर्षों से वाम दलों का गढ़ माने जाते त्रिवेद्रम के नगर निकाय चुनावों में भाजपा की चौंकने वाली जीत ने जहां भाजपा के प्रवेश की भूमि तैयार कर दी है, वहीं पार्टी की इस जीत ने कांग्रेस पार्टी में असंतुष्ट नेता शशि थरूर की हाल की बेचौन कोशिशों के कारण को दर्शाया है। शायद उनको (थरूर) हवा का रुख बदलने का आभास हो चुका था चूंकि लोकसभा चुनाव (2024) में त्रिवेद्रम की सीट पर वह बेहद मामूली फर्क से जीते थे। इससे पूर्व लगातार 3 चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद गत वर्ष वह भाजपा के उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखरन को मात्र 12,600 मतों से ही हरा सके थे। संभवतः शहर की सीमाओं के बाहर तटीय इलाकों में रहने वाले आर्थिक रूप से बड़े कमजोर वर्ग के मधुआरों के एकजुट होकर शशि थरूर के पक्ष में मतदान किए जाने की वजह से ही वह जीत पाए थे। शहर के 101 वार्डों में से भाजपा ने 50 पर जीत प्राप्त की, जोकि पूर्ण बहुमत से केवल 1 सीट कम है। हालांकि भाजपा की यह जीत शशि थरूर के लिए खुशी की वजह बनने की संभावना कम ही है। उल्टे आने वाले दिनों में स्थानीय (लोकल) सियासी समीकरणों में वह खुद को हाशिए पर पा सकते हैं। निःसंदेह शशि थरूर कांग्रेस

शायद उनको (थरूर) हवा का रुख बदलने का आभास हो चुका था चूंकि लोकसभा चुनाव (2024) में त्रिवेद्रम की सीट पर वह बेहद मामूली फर्क से जीते थे। इससे पूर्व लगातार 3 चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद गत वर्ष वह भाजपा के उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखरन को मात्र 12,600 मतों से ही हरा सके थे। संभवतः शहर की सीमाओं के बाहर तटीय इलाकों में रहने वाले आर्थिक रूप से बड़े कमजोर वर्ग के मधुआरों के एकजुट होकर शशि थरूर के पक्ष में मतदान किए जाने की वजह से ही वह जीत पाए थे। शहर के 101 वार्डों में से भाजपा ने 50 पर जीत प्राप्त की, जोकि पूर्ण बहुमत से केवल 1 सीट कम है। हालांकि भाजपा की यह जीत शशि थरूर के लिए खुशी की वजह बनने की संभावना कम ही है। उल्टे आने वाले दिनों में स्थानीय (लोकल) सियासी समीकरणों में वह खुद को हाशिए पर पा सकते हैं। निःसंदेह शशि थरूर कांग्रेस पार्टी के एक पुराने, अनुभवी, मृदुभाषी, निष्ठावान व कर्मठ नेता हैं, परन्तु जिस पार्टी ने उनके राजनीतिक करियर को गढ़ा और संवारा, उसी पार्टी के विरुद्ध उनके तथाकथित बयानों, हालिया महीनों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुले रूप में प्रशंसा के पुल बांधना और तत्पश्चात रूस के राष्ट्रपति पुतिन के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज में शामिल होने के कारण थरूर को अपनी ही पार्टी में एक तरह से अविश्वसनीय बना डाला है। आप्रेशन सिंदूर के बाद के घटनाक्रमों में सरकार के अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क अभियान के अधीन जब शशि थरूर को एक प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व सौंपते हुए विदेशों में भेजा गया, तो उस वक्त कांग्रेस पार्टी को सार्वजनिक रूप से असहज होना पड़ा था।

पार्टी के एक पुराने, अनुभवी, मृदुभाषी, निष्ठावान व कर्मठ नेता हैं, परन्तु जिस पार्टी ने उनके राजनीतिक करियर को गढ़ा और संवारा, उसी पार्टी के विरुद्ध उनके तथाकथित बयानों, हालिया महीनों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुले रूप में प्रशंसा के पुल बांधना और तत्पश्चात रूस के राष्ट्रपति पुतिन के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज में शामिल होने के कारण थरूर को अपनी ही पार्टी में एक तरह से अविश्वसनीय बना डाला है। आप्रेशन सिंदूर के बाद के घटनाक्रमों में सरकार के अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क अभियान के अधीन जब शशि थरूर को एक

प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व सौंपते हुए विदेशों में भेजा गया, तो उस वक्त कांग्रेस पार्टी को सार्वजनिक रूप से असहज होना पड़ा था। अब जबकि उनके (थरूर) अपने निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा का सितारा चमकने के पूरे आधार बने हुए हैं, तो ऐसे वक्त में शशि थरूर पूर्ण आशा कर सकते हैं कि गत कई महीनों में भारतीय जनता पार्टी के साथ मेल-मिलाप बढ़ाने का उन्हें कोई सियासी फायदा मिलेगा? त्रिवेद्रम में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए शशि थरूर को राजीव चंद्रशेखरन जैसी मजबूत शक्तिशाल का मुकाबला करना पड़ेगा। नगर निकाय चुनावों में पार्टी के

हैरत अंगेज प्रदर्शन को भाजपा में चंद्रशेखरन की एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। त्रिवेद्रम में बढ़ती हुई वाम-विरोधी लहर व माहौल का सामाजिक लाभ कांग्रेस को ही मिलना था लेकिन थरूर के अपनी ही पार्टी के खिलाफ खुले विद्रोह ने कांग्रेस पार्टी को नुकसान ही पहुंचाया है। कांग्रेस वहां तीसरे स्थान पर रही, जबकि वाम दलों ने मुख्य विपक्षी दल की भूमिका बनाए रखी। राजीव चंद्रशेखरन पिछले कुछ वर्षों से इस संसदीय क्षेत्र को साध रहे हैं, ताकि 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का टिकट प्राप्त कर सकें। देखा जाए तो चंद्रशेखरन के पास साधनों की

हैरत अंगेज प्रदर्शन को भाजपा में चंद्रशेखरन की एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। त्रिवेद्रम में बढ़ती हुई वाम-विरोधी लहर व माहौल का सामाजिक लाभ कांग्रेस को ही मिलना था लेकिन थरूर के अपनी ही पार्टी के खिलाफ खुले विद्रोह ने कांग्रेस पार्टी को नुकसान ही पहुंचाया है। कांग्रेस वहां तीसरे स्थान पर रही, जबकि वाम दलों ने मुख्य विपक्षी दल की भूमिका बनाए रखी। राजीव चंद्रशेखरन पिछले कुछ वर्षों से इस संसदीय क्षेत्र को साध रहे हैं, ताकि 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का टिकट प्राप्त कर सकें। देखा जाए तो चंद्रशेखरन के पास साधनों की

कोई कमी नहीं है, जबकि शशि थरूर के पास बड़ी पूंजी भाषाई ज्ञान तथा वाकपटुता भर है। देखने वाली दिलचस्प बात यह होगी कि क्या थरूर भाजपा का टिकट पाने में सफल होते हैं या उसकी आंतरिक राजनीति का शिकार हो जाते हैं।

सही मायनों में थरूर को कांग्रेस पार्टी ने एक दोषहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। 2026 की शुरुआत में केरल में चुनाव होंगे, जब पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु व असम में भी चुनाव होने हैं। केरल में जहां किसी समय शशि थरूर को कांग्रेस की एक बड़ी ताकत माना जाता था, वहीं अब स्थानीय चुनावों ने सिद्ध कर दिया है कि राज्य में अब उनकी प्रासंगिकता पहले जैसी नहीं रही। कांग्रेस पार्टी ने थरूर के लिए व्यावहारिक रूप से अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं और वही बात उनके (थरूर) सामने एक भारी दुविधा खड़ी कर रही है। अगर थरूर कांग्रेस के लिए हितकारी साबित नहीं हो सकते, तो क्या भारतीय जनता पार्टी व संघ के लिए उपयोगी हो पाएंगे? स्पष्ट नजर आता है कि कांग्रेस को अधिकांशक असहज करने के लक्ष्य से ही भाजपा गत कई महीनों से थरूर का फायदा उठा रही है।

3 कदम उठाने भर से मच जाएगी तबाही, कैसे तीन बीघा कॉरिडोर, फरक्का समझौते में फंसा बांग्लादेश?

कारोबार, मददगार, साझेदार, ये तीन शब्द भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों को परिभाषित करते थे। हालांकि, 2024 के मध्य और खासतौर पर 2025 की शुरुआत से बने हालात अब तनावपूर्ण संबंधों का नया अध्याय लिखते नजर आ रहे हैं। बांग्लादेश जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहा है वो यह ना भूलते कि मोहम्मद युनुस की गर्दन पूरी तरह से भारत के पंजे में है। अगर भारत की तरफ आंख उठाने की बांग्लादेश ने कोशिश भी की तो बिना मारे बांग्लादेश में तबाही आ जाएगी। क्योंकि भारत ने अगर तीन बीघा कॉरिडोर या तीन बीघा जो गलियारा है उसको लेकर कदम उठा लिया तो युनुस छटपटा जाएंगे। आखिर ये तीन बीघा कॉरिडोर क्या है जिसको लेकर बांग्लादेश की नब्ज कहा जा रहा है कि पूरी तरह से भारत के हाथों में है। क्या है फरक्का संधि दरअसल, 12 फरवरी को हुए चुनाव के बाद जब बांग्लादेश में नई सरकार सत्ता में आएगी, तो उसे जिन प्रमुख मुद्दों का समाधान करना होगा, उनमें से एक है भारत के साथ फरक्का जल बंटवारे की संधि का नवीनीकरण, जो 2026 में समाप्त हो रही है और जिसमें स्वतः विस्तार का कोई प्रावधान नहीं है, जिसके कारण नए सिरे से बातचीत करना आवश्यक हो जाएगा। फरक्का में गंगा जल के बंटवारे पर पहला समझौता 7 नवंबर, 1977 को ढाका में हस्ताक्षरित किया गया था। इस संधि से कुछ ही महीने पहले, मार्च में मोरारजी देसाई ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया था, जबकि उसी वर्ष अप्रैल में मेजर जनरल जियाउर रहमान बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने थे। फिर, जब 12 दिसंबर, 1996 को दूसरे समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, तब भारत के प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और बांग्लादेश की शेख हसीना को पद संभाले हुए केवल छह महीने ही हुए थे।



अगर भारत की तरफ आंख उठाने की बांग्लादेश ने कोशिश भी की तो बिना मारे बांग्लादेश में तबाही आ जाएगी। क्योंकि भारत ने अगर तीन बीघा कॉरिडोर या तीन बीघा जो गलियारा है उसको लेकर कदम उठा लिया तो युनुस छटपटा जाएंगे। आखिर ये तीन बीघा कॉरिडोर क्या है जिसको लेकर बांग्लादेश की नब्ज कहा जा रहा है कि पूरी तरह से भारत के हाथों में है। कारोबार, मददगार, साझेदार, ये तीन शब्द भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों को परिभाषित करते थे। हालांकि, 2024 के मध्य और खासतौर पर 2025 की शुरुआत से बने हालात अब तनावपूर्ण संबंधों का नया अध्याय लिखते नजर आ रहे हैं। बांग्लादेश जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहा है वो यह ना भूलते कि मोहम्मद युनुस की गर्दन पूरी तरह से भारत के पंजे में है। अगर भारत की तरफ आंख उठाने की बांग्लादेश ने कोशिश भी की तो बिना मारे बांग्लादेश में तबाही आ जाएगी। क्योंकि भारत ने अगर तीन बीघा कॉरिडोर या तीन बीघा जो गलियारा है उसको लेकर

कदम उठा लिया तो युनुस छटपटा जाएंगे। आखिर ये तीन बीघा कॉरिडोर क्या है जिसको लेकर बांग्लादेश की नब्ज कहा जा रहा है कि पूरी तरह से भारत के हाथों में है। क्या है फरक्का संधि दरअसल, 12 फरवरी को हुए चुनाव के बाद जब बांग्लादेश में नई सरकार सत्ता में आएगी, तो उसे जिन प्रमुख मुद्दों का समाधान करना होगा, उनमें से एक है भारत के साथ फरक्का जल बंटवारे की संधि का नवीनीकरण, जो 2026 में समाप्त हो रही है और जिसमें स्वतः विस्तार का कोई प्रावधान नहीं है, जिसके कारण नए सिरे से बातचीत करना आवश्यक हो जाएगा। फरक्का में गंगा जल के बंटवारे पर पहला समझौता 7 नवंबर, 1977 को ढाका में हस्ताक्षरित किया गया था। इस संधि से कुछ ही महीने पहले, मार्च में मोरारजी देसाई ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया था, जबकि उसी वर्ष अप्रैल में मेजर जनरल जियाउर रहमान बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने थे। फिर, जब 12 दिसंबर, 1996 को दूसरे समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, तब भारत के प्रधानमंत्री



को दे देगा। अगर 75000 क्यूसेक से कम है 70 से 75000 के बीच में है तो 35000 क्यूसेक भारत रखेगा और बाकी बांग्लादेश को दे देगा। और अगर 70 या 73000 क्यूसेक से भी कम है तो भारत 3000 क्यूसेक रखेगा और बाकी पड़ोसी को देगा। कुल मिलाकर कहे तो भारत को कम से कम 30 से 35000 क्यूसेक जल की आवश्यकता है वो रख के बाकी बांग्लादेश को दे देगा इसलिए ये बैरज बनाया था। अब ये समझौते की मियाद 2026 में खत्म हो रही है। इस बार, भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक स्थिर और दीर्घकालिक सरकार है, जबकि बांग्लादेश लगभग 17 महीनों की अस्थिरता के बाद लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को स्थापना की ओर

अग्रसर है। यह देखना बाकी है कि क्या संधि का आपसी सहमति से, या कुछ सुधारों के साथ नवीनीकरण किया जाता है, या यदि ढाका भारत को अस्थिर करने की इच्छा रखने वाले कुछ अंतरराष्ट्रीय तत्वों के इशारों पर चलता रहता है तो नई दिल्ली कड़ा रुख अपनाती है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए, नई दिल्ली देश और उसके लोगों की सुरक्षा और अखंडता की रक्षा के लिए कार्रवाई करने में संकोच नहीं कर सकती है। संयोगवश, पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को लगातार समर्थन देने के कारण, जिसमें हाल ही में अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुआ घातक आतंकी हमला भी शामिल है, भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। यह निर्णय भारत की संप्रभुता की रक्षा और पाकिस्तान की कार्रवाइयों के खिलाफ जवाबी उपायों के व्यापक पैकेज का हिस्सा था, जिसमें आतंकी लॉन्चपैडों पर सीमा पार सटीक हमले भी शामिल थे। बांग्लादेश की 30% खेती इसी पानी पर निर्भर बांग्लादेश की 30% खेती इसी पानी पर निर्भर है। अगर ऐसा हुआ तो बांग्लादेश के एक बड़े हिस्से में सुखाड़ की स्थिति पैदा हो जाएगी और वहां खेतीबाड़ी सारी चौपट हो जाएगी। शेख हसीना के तख्तापलट के बाद भारत से उसके रिश्ते बिगड़े हुए हैं। ऐसे में उसे उर है कि अगर भारत ने इस समझौते को रिन्चू नहीं किया तो उसकी एक तिहाई आबादी प्यासी भर जाएगी और खेती बिल्कुल चौपट हो जाएगी। यही वजह है कि वह अब अपनी गरीबी का रोगा रोते हुए भारत के अग्रे नाक रगड़ रहा। 3 बीघा गलियारा क्या है जो दे सकता है सबसे बड़ी चोट बांग्लादेश के दलग्राम और अंगारपोटी एन्क्लेव के संबंध में 1974 के एलबीए के अनुच्छेद 1(14) में तीन बीघा के पास 178 मीटर ७ 85 मीटर के इलाके को स्थायी रूप से पट्टे पर देकर इन एन्क्लेव तक पहुंच का प्रावधान है। इसे 7 अक्टूबर, 1982 को भारत के तत्कालीन विदेश मंत्री और बांग्लादेश के तत्कालीन विदेश मंत्री के बीच और 26 मार्च, 1992 को भारत के विदेश सचिव और बांग्लादेश के अतिरिक्त विदेश सचिव के जरिए लागू किया गया था। यह पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में स्थित है।

साल 2026 का पहला तलाक... माही विज और जय भानुशाली ने 14 साल की शादी का किया अंत

टीवी इंडस्ट्री के की घोषणा कर दी है। 14 साल पुरानी गए हैं, क्योंकि खुशहाल जोड़ी अलग होने की कि यह फैसला किया कि की वजह भविष्य

लोकप्रिय कपल माही विज और जय भानुशाली ने आखिरकार अपने तलाक दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है, जिससे उनकी शादी का अंत हो गया। इस खबर के बाद उनके फैस भानुक हो माही और जय को लंबे समय तक टीवी इंडस्ट्री का मजबूत और माना जाता रहा है। आपको बता दें कि, लंबे समय से दोनों के खबरें आ रही थीं। कपल ने एक संयुक्त बयान जारी कर बताया उन्होंने शांति और समझदारी के साथ लिया है। दोनों ने साफ इस अलगाव में किसी का दोष नहीं है। यह निर्णय नकरायत्मकता से नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आपसी सम्मान और बेहतर के लिए लिया गया है। इंस्टाग्राम स्टोरी में दोनों ने लिखा कि उन्होंने प्यार, समझदारी और इंसानियत की साझा कीमतों को साथ आगे बढ़ाया। शांति, खुशी और बच्चों के भले के लिए उन्होंने अलग होने का फैसला किया। उन्होंने यह भी कहा कि अब उनका रास्ता अलग है, लेकिन इसमें कोई खलनायक नहीं है। माही और जय दोनों एक-दूसरे का सम्मान करते रहेंगे और अपने फैस से भी उनकी निजता और फैसले का सम्मान करने की अपील की है। कपल ने बताया कि वे अपनी 6 साल की बेटी तारा की परवरिश मिलकर करते रहेंगे। इसके अलावा, वे अपने अडोप्टेड बच्चों की देखभाल भी साथ मिलकर करेंगे। माही विज और जय भानुशाली ने 2011 में शादी की थी और इसके पहले लंबे समय तक डेट किया था। माही हाल ही में टीवी शो सहर होने को है से 9 साल बाद वापसी कर रही हैं। वहीं जय भानुशाली कई शोज होस्ट कर चुके हैं और फिलहाल विदेश दूर कर रहे हैं।

कानूनी पचड़े में फंसी केजीएफ स्टार यश की मां, जमीन हड़पने का लगा आरोप



कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार यश आमतौर पर अपनी फिल्मों और पर्सनलिटी को लेकर चर्चा में रहते हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी मां पुष्पा अरुण कुमार से जुड़ा एक कानूनी मामला है। हाल ही में कोर्ट के आदेश के बाद इस केस में नया मोड़ आया है, जिसने सबका ध्यान खींचा है। दरअसल, हसन जिले के विद्यानगर इलाके में स्थित एक आवासीय परिसर को लेकर विवाद सामने आया था। इस मामले में जीपीए धारक देवराजू ने यश की मां पुष्पा अरुण कुमार पर करीब 1500 वर्ग फुट जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया था। शिकायत के मुताबिक, उक्त जमीन पर मालिकाना हक देवराजू का था, लेकिन वहां पुष्पा अरुण कुमार की और से एक बड़ा परिसर बनवा लिया गया था। अपनी जमीन वापस पाने के लिए देवराजू लंबे समय से कोर्ट के चक्कर काट रहे थे। आखिरकार अदालत के आदेश के बाद अब शिकायतकर्ता ने अपने कब्जे वाली जमीन को खाली करवा लिया है। यह पहला मौका नहीं है जब यश की मां किसी विवाद के कारण सुर्खियों में आई हों। इससे पहले भी वह एक बड़े धोखाधड़ी मामले की शिकार हो चुकी हैं। उस वक्त पुष्पा अरुण कुमार ने फिल्म प्रमोटर हरीश अरासु के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। मामला कन्नड़ फिल्म कोथलावाड़ी के प्रमोशन से जुड़ा था, जिसे पुष्पा के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनाया गया था। शिकायत के अनुसार, फिल्म के प्रमोशन की जिम्मेदारी हरीश अरासु को सौंपी गई थी, जिसमें करीब 2.3 लाख रुपये खर्च होने थे।

फोटोग्राफर्स के कपड़ों को लेकर जया बच्चन के कमेंट पर भड़के पैपराजी, कहा-हमें पर्सनली बहुत बुरा लगा



एक्ट्रेस जया बच्चन पिछले साल पैपराजी पर किए अपमानजनक बयान को लेकर खूब सुर्खियों में रहीं। उनके बयान को खूब आलोचना हुई। हालांकि, इस साल भी उनके इस बयान की चर्चा हो रही है और इसके लिए उन्हें अभी तक ट्रोल् किया जा रहा है। अब हाल ही में मशहूर पैपराजी वरिंदर चावला ने जया बच्चन की टिप्पणियों पर

कर्मचारियों के बारे में उनकी टिप्पणियों से हमें पर्सनली बहुत बुरा लगा। हम सभी को दुख हुआ। अपनी बात कहने के कई तरीके होते हैं, लेकिन यह सही तरीका नहीं था। इस दौरान उन्होंने बताया कि एक्टरस ने मीडिया के साथ सीमाएं तय की हैं, उन्होंने कहा, आलिया भट्ट और रणवीर कपूर, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा और विराट कोहली, इन सभी ने पैपराजी को चाव पर बुलाया और हमसे विनम्रता से रिक्वेस्ट की कि हम उनके बच्चों की तस्वीरें न लें। आज तक, हमने उस रिक्वेस्ट का सम्मान किया है और उनके बच्चों की कभी तस्वीरें नहीं लीं।

कैमरामैन के कपड़ों पर जया के कमेंट पर रिएक्ट करते हुए उन्होंने कहा, रजया जी के घर में कई स्टाफ मेंबर होंगे जो यूनिफॉर्म पहनते हैं। लेकिन पर्दे के पीछे, कौन जानता है कि उनकी फाइनैशियल हालत या पर्सनल परेशानियां क्या हैं? उनके कमेंट्स सिर्फ फोटोग्राफर्स को ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री में काम करने वाले हर किसी को प्रभावित करते हैं, जिसमें स्पोर्ट्स बॉय भी शामिल हैं। यह दिखाता है कि वह आम आदमी को कैसे देखती हैं। सिर्फ फोटोग्राफर वरिंदर चावला

ही नहीं, बल्कि कई फोटोग्राफर्स ने इस बारे में बात की कि अगर जया जी नहीं चाहतीं कि हम उनकी तस्वीरें खींचें, तो शायद हमें यह पूरी तरह बंद कर देना चाहिए। बॉयकॉट के तौर पर नहीं, बल्कि बस उन्हें प्यार से बताकर कि हम अब उनकी तस्वीरें नहीं खींचेंगे। हमारे लड़कों ने कभी उनके साथ बदतमीजी नहीं की। वे हमेशा उन्हें इज्जत से जया जी कहकर बुलाते हैं। भगवान जाने वह हर समय इतनी परेशान क्यों दिखती हैं। इवेंट्स में सेलेब्स के लिए पैपराजी को इंगोर करने के आसान ऑप्शन के बारे में बात करते हुए, पैपराजो ने शेयर किया, शहर इवेंट में दो एंटी होती हैं, रेड कार्पेट और बैक एंटी। अगर आप नहीं चाहते कि आपकी फोटो खींची जाए, तो चुपचाप पीछे के गेट से अंदर आ जाएं। आपकी च टीम और इवेंट ऑर्गनाइजर आसानी से आपकी मदद कर सकते हैं। लेकिन अगर आप जानबूझकर रेड कार्पेट पर चलते हैं और फिर हंगामा करते हैं, तो इसका कोई मतलब नहीं है।



साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की फिल्म किंगडम को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। जब यह 2025 में रिलीज हुई, तो फैस को इससे काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, रिलीज के बाद फिल्म दर्शकों का उत्साह ठंडा कर दिया और

बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुई। अब इसी के चलते फिल्म के मेकर्स ने इसके सोक्वल किंगडम 2 को न बनाने का फैसला किया है। इस बात की पुष्टि खुद फिल्म के निर्देशक नागा वामसी ने की है। फिल्म को लेकर बातचीत करते हुए नागा

वामसी ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह अब अपनी फिल्मों का जरूरत से ज्यादा प्रचार या तारीफ करने से बचना चाहते हैं। उनके मुताबिक, हूमें अपनी फिल्मों को बहुत ज्यादा प्रमोट नहीं करना चाहता, क्योंकि 2025 में वही तरीका मेलिए उल्टा

पड़ गया। नागा वामसी ने किंगडम के बॉक्स ऑफिस वॉरिंकट को लेकर कहा-रिलीज से लगभग एक हफ्ते पहले ही मुझे पता चल गया था कि फिल्म नहीं चलेगी। बात हिट या फ्लॉप होने की नहीं थी। मुझे पता था कि फिल्म के दूसरे पार्ट में कुछ गड़बड़ है। इसे इमोशनल तौर पर मजबूत होना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस फिल्म में कहीं न कहीं वो मूल भावना गायब थी। हमें पता था कि किंगडम कोई बुरी फिल्म नहीं है, लेकिन फिर भी मुझे कुछ शक था। हमारा मकसद था कि पहले ही दिन बजट का लगभग 70 प्रतिशत वसूल हो जाए। एक बार फिल्म रिलीज हो जाए, तो आप कुछ नहीं बदल सकते। इसलिए हमारा पूरा ध्यान जबरदस्त ओपनिंग पर था। किंगडम के फ्लॉप होने पर नागा वामसी ने कहा-मैं किसी को दोष नहीं दे रहा हूँ। अगर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुई है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है। फिल्म बुरी नहीं है, लेकिन कहीं न कहीं हमसे चूक हो गई। चाहे कार्टिस्टों में गड़बड़ हो या कुछ और, मैं अभी भी ठीक से बात नहीं सकता। कुछ लोगों ने कहा कि सीनीत में गड़बड़ थी।

सलमान खान के भांजे अयान अग्निहोत्री ने की सगाई, गर्लफ्रेंड के साथ शेर की फोटोज; मलाइका अरोड़ा ने दी बधाई



सलमान खान के भांजे अयान अग्निहोत्री ने सगाई कर ली है। उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड टीना रिझवानी को मंगनी की अंगूठी पहनाई है। अयान ने सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर की हैं। खान फैमिली में शहनाई बजने वाली है। सलीम खान और सुशीला चरक (सलमा खान) के नाती अयान अग्निहोत्री जिंदगी का नया अध्याय शुरू करने वाले हैं। नए साल में उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड टीना रिझवानी के साथ सगाई की है। सलमान खान के भांजे ने अपनी सगाई की फोटोज फेंस के साथ शेयर की हैं। इन पर मलाइका अरोड़ा से लेकर सोनाक्षी सिन्हा तक, तमाम सेलेब्स ने बधाई दी है। मंगनी

की अंगूठी फ्लॉन्ट करते दिखे अयान अग्निहोत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सगाई की फोटोज शेयर की हैं। वे अपनी गर्लफ्रेंड टीना को किस करते नजर आ रहे हैं। एक अन्य फोटो में टीना और अयान अपनी मंगनी की अंगूठी फ्लॉन्ट करते दिख रहे हैं। पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'साल 2025 में मैंने अपनी गर्लफ्रेंड को पीछे छोड़ दिया है। इसके साथ उन्होंने रिंग और रेड हार्ट इमोजी पोस्ट किया है। सेलेब्स ने दी शुभकामनाएं अयान और टीना की सगाई पर सेलेब्स ने बधाई दी है। अयान अग्निहोत्री की दोनों एक्स मामी, मलाइका अरोड़ा और सीमा

सजदेह ने भी शुभकामनाएं दी हैं। मलाइका अरोड़ा की शादी अयान के मामा अरबाज खान से हुई थी, लेकिन अब दोनों का तलाक हो चुका है। वहीं, सीमा सजदेह की शादी सोहेल खान से हुई थी, उनका भी तलाक हो चुका है। मलाइका अरोड़ा ने रेड हार्ट इमोजी बनाकर कमेंट लिखा है, 'यानी, टीना'। वहीं, सोनाक्षी सिन्हा ने लिखा है, 'ओएमजी। बहुत बधाई हो दोनों को। बहुत खुशी हुई।' सीमा सजदेह ने लिखा है, 'यानी को बहुत बधाई।' इसके अलावा प्रनूतन और अमृता अरोड़ा सहित कई अन्य सेलेब्स ने भी रिएक्ट किया है।

आलिया भट्ट ने शेर की नए साल में रणबीर कपूर के साथ खास तस्वीर

बेटी राहा की क्यूट तस्वीर पर फिदा हुए फैस

आलिया भट्ट ने कुछ ही देर पहले आज अपनी रणबीर कपूर और बेटी राहा कपूर की एक खास तस्वीर सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। राहा की इस फोटो को देखकर फैस बेहद खुश हो गए हैं।

आलिया भट्ट इन दिनों अपने कई प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इसी बीच आलिया ने आज एक खास तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर कर अपने फैस को खुश कर दिया है। इस तस्वीर को आलिया ने 2026 के स्वागत के साथ शेयर किया है, जिसमें उनके साथ रणबीर और राहा भी नजर आ रहे हैं। आलिया का पोस्ट आलिया ने इंस्टाग्राम पर नए साल के स्वागत में एक खास तस्वीर शेयर की है। यह तस्वीर समंदर किनारे की लग रही है। इस तस्वीर में रणबीर बेटी राहा को हवा में उठाए नजर आ रहे हैं और आलिया उन्हें चीयर करती दिखाई दे रही हैं। इस पोस्ट के साथ आलिया ने कैप्शन में लिखा, 'आगे बढ़ते रहो प्यारे...' इसी के साथ आलिया ने सभी को 2026 की शुभकामनाएं भी दी हैं। आलिया की इस तस्वीर को फैस बेहद पसंद कर रहे हैं और साथ ही लाल दिल वाला इमोजी बना रहे हैं। आलिया का वर्कफ्रंट आलिया जल्द ही फिल्म 'अल्फा' और 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगी। 'अल्फा' एक जासूसी एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में आलिया के साथ शरवरी वाघ और बाँबी देओल भी नजर आएंगे। इस फिल्म के अलावा आलिया 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी। 'लव एंड वॉर' का निर्देशन संजय लीला भंसाली करेंगे। इस फिल्म के सेट की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर पहले ही वायरल हो चुकी हैं। रणबीर कपूर का वर्कफ्रंट रणबीर कपूर फिल्म 'लव एंड वॉर' के अलावा नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में नजर आएंगे। 'रामायण' का पहला भाग इस साल दिवाली पर रिलीज किया जाएगा और दूसरा भाग 2027 में रिलीज हो सकता है। 'रामायण' में रणबीर प्रभु राम की भूमिका में नजर आएंगे। कन्नड़ एक्टर यश रावण और साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। सनी देओल राम भक्त हनुमान के रोल में और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे।

म्यांमार में हजारों कैदी हुए रिहा आजादी की 78वीं वर्षगांठ पर सैन्य सरकार का एलान

बैंकाक। म्यांमार के सैन्य शासन ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हजारों बंदियों को रिहा किया है, जिसमें विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। हालांकि, पूर्व नेता आंग सान सू की और अन्य राजनीतिक विरोधियों की रिहाई पर संशय बना हुआ है। आलोचक इसे आगामी चुनावों से पहले सरकार की छवि सुधारने की कोशिश मान रहे हैं। म्यांमार की सैन्य शासन ने रविवार को ब्रिटेन से देश की आजादी की 78वीं सालगिरह के मौके पर 6,100 से ज्यादा कैदियों को माफ कर दिया है। इसके साथ ही अन्य कैदियों की सजा में भी कटौती की गई है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि रिहा किए गए

लोगों में सैन्य शासन का विरोध करने के लिए जेल में बंद हजारों राजनीतिक कैदी शामिल हैं या आलोचकों का मानना है कि यह कवायद मौजूदा स्थिति को वैधता देने का महज एक दिखावा है।



नहीं। 6,134 कैदी हुए रिहा यह माफी ऐसे समय में दी गई है जब सैन्य सरकार एक महीने लंबी चुनाव प्रक्रिया चला रही है।

सरकारी टेलीविजन 'एमआरटीवी' के अनुसार, सैन्य सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन आंन्ना लैंग ने कुल 6,134 कैदियों को माफी दी

है। 52 विदेशी नागरिक भी होंगे रिहा एक अन्य बयान में बताया गया कि 52 विदेशी नागरिकों को भी रिहा करके स्वदेश भेजा जाएगा। रिहा किए गए लोगों की कोई विस्तृत सूची उपलब्ध नहीं है। बताया जा रहा गंभीर अपराधों जैसे हत्या और दुष्कर्म के दोषियों या सुरक्षा कानूनों के तहत सजा काट रहे लोगों को छोड़कर अन्य कैदियों की सजा कम कर दी गई है। रिहाई की शर्तों में चेतावनी दी गई है कि अगर मुक्त किए गए कैदी दोबारा कानून तोड़ते हैं, तो उन्हें नई सजा के साथ-साथ अपनी पुरानी सजा की बची हुई अवधि भी काटनी होगी। कैदियों की रिहाई आम बात बता दें कि म्यांमार में छुट्टियों और अन्य महत्वपूर्ण मौकों

पर कैदियों की रिहाई आम बात है। इस खबर के सामने आने के बाद यांगून की इनसेन जेल के बाहर कैदियों के परिजन सुबह से ही जमा हो गए थे। हालांकि, इस बात का कोई संकेत नहीं मिला कि रिहा होने वालों में पूर्व नेता आंग सान सू की शामिल हैं। उन्हें 2021 के तख्तापलट के बाद से ही अलग-थलग रखा गया है। एक स्वतंत्र संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, आंग सान सू की सहित 22,000 से अधिक राजनीतिक बंदी अभी भी हिरासत में हैं। बता दें कि म्यांमार की 4 जनवरी, 1948 को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली थी। इस अवसर पर राजधानी नैपयीडों के सिटी हॉल में ध्वजारोहण समारोह के साथ वर्षगांठ मनाई गई।

उत्तरी नाइजरियों में गांव पर बंदूकधारियों ने किया हमला 30 से ज्यादा की मौत

मिन्ना (नाइजीरिया)। उत्तरी नाइजीरिया के एक गांव पर

हवाले कर दिया। उत्तरी नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने



बंदूकधारियों ने हमला कर 30 से अधिक लोगों की हत्या कर दी और कई को अगवा कर लिया। हमलावरों ने स्थानीय बाजार और कई घरों को भी आग के

एक गांव पर हमला किया, जिसमें 30 लोग मारे गए और कई लोग अगवा किए गए। यह इस इलाके में लगातार हो रही हिंसा की कड़ी में ताजा मामला है।

पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, बंदूकधारियों ने नाइजर राज्य के कसुअवान-दाजी गांव में शनिवार शाम को घुसकर ग्रामीणों पर गोशियां चलाई। यह गांव बोरु स्थानीय प्रशासन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। उन्होंने स्थानीय बाजार और कई घर भी जला दिए। दो ग्रामीणों ने मृतकों की संख्या 37 बताई और कहा कि यह संख्या और अधिक हो सकती है, क्योंकि कई लोग रविवार तक लापता थे। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि सुरक्षा कर्मी अब तक क्षेत्र में नहीं पहुंचे हैं। यह पुलिस के उस दावे के विपरीत है कि उन्होंने अगवा किए गए लोगों की तलाश के लिए अधिकारी तैनात कर दिए हैं।

सीरिया में ब्रिटेन और फ्रांस की संयुक्त कार्रवाई आतंकी संगठन आईएस के ठिकानों पर बरसाए बम

लंदन। ब्रिटेन और फ्रांस की सेनाओं ने शनिवार को सीरिया में हवाई हमले किए और आतंकी संगठन आईएस के ठिकाने को निशाना बनाया। गौरतलब है कि सीरिया में आईएस के

आईएस के हथियारों के ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिन्हें एक सुरंग में छिपाकर रखा गया था। ब्रिटेन की सरकार ने आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि सीरिया में हवाई हमले



खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कार्रवाई तेज कर दी है। ब्रिटेन और फ्रांस के लड़ाकू विमानों ने सीरिया में आतंकी संगठन आईएस के ठिकानों पर हवाई हमले किए। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सीरिया में

गठबंधन का हिस्सा हैं, जो एक दशक से भी ज्यादा समय से खूंखार आतंकी संगठन आईएस से लड़ रहा है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया ब्रिटिश सेना ने हवाई हमले में टाइफून 0 लड़ाकू जेट का इस्तेमाल किया, जिसे वायंजर रीप्यूजिंग टैंकर का समर्थन मिला

और इस संयुक्त हमले में फ्रांसीसी विमान भी शामिल हुए। बयान में कहा गया कि ब्रिटिश वायु सेना ने आईएस के ठिकाने तक जाने वाली कई सुरंगों को निशाना बनाया और इसके लिए पेववे क्व ग्राइंडेड बमों का इस्तेमाल किया। बयान में कहा गया है कि ऑपरेशन के बाद स्थिति का आकलन किया जा रहा है, लेकिन शुरूआती संकेत ये हैं कि लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया गया। सीरिया और इराक में आईएस के आतंकी सक्रिय हमलों पर सीरियाई सरकार की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। सीरिया पिछले साल के अंत में आईएस विरोधी गठबंधन में शामिल हुआ था। साल 2019 में सीरिया में हार के बावजूद, आईएस की अभी भी सीरिया में मौजूदगी है और इसके स्लीपर सेल अभी भी सीरिया और इराक में घातक हमले करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों का कहना है कि अभी भी सीरिया और इराक में आईएस के करीब 5,000 से 7,000 सदस्य सक्रिय हैं।

और इस संयुक्त हमले में फ्रांसीसी विमान भी शामिल हुए। बयान में कहा गया कि ब्रिटिश वायु सेना ने आईएस के ठिकाने तक जाने वाली कई सुरंगों को निशाना बनाया और इसके लिए पेववे क्व ग्राइंडेड बमों का इस्तेमाल किया। बयान में कहा गया है कि ऑपरेशन के बाद स्थिति का आकलन किया जा रहा है, लेकिन शुरूआती संकेत ये हैं कि लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया गया। सीरिया और इराक में आईएस के आतंकी सक्रिय हमलों पर सीरियाई सरकार की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। सीरिया पिछले साल के अंत में आईएस विरोधी गठबंधन में शामिल हुआ था। साल 2019 में सीरिया में हार के बावजूद, आईएस की अभी भी सीरिया में मौजूदगी है और इसके स्लीपर सेल अभी भी सीरिया और इराक में घातक हमले करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों का कहना है कि अभी भी सीरिया और इराक में आईएस के करीब 5,000 से 7,000 सदस्य सक्रिय हैं।

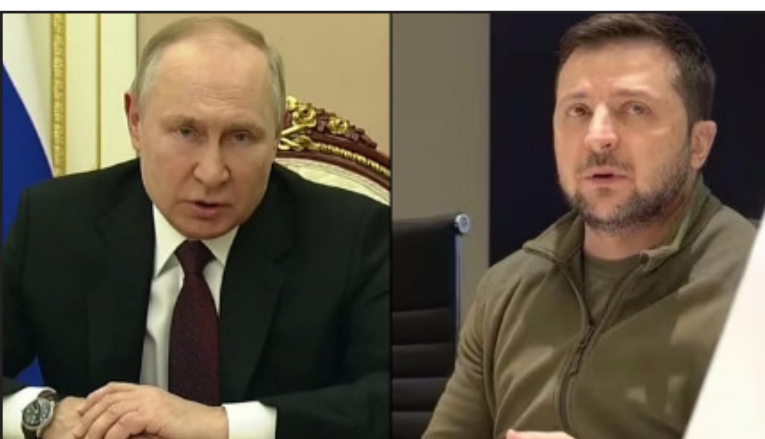
मादुरो की तरह पुतिन का भी हो हाल

वॉशिंगटन/कीव। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पुतिन पर बिना नाम लिए निशाना साधा। जबकि रूस ने मादुरो की रिहाई की मांग की, वहीं ट्रंप ने न्यूयॉर्क में मुकदमे की पुष्टि की। वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका की ओर से नाटकीय ढंग से पकड़े जाने के बाद यूक्रेन की राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का बड़ा बयान सामने आया है। जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर इशारा करते हुए कहा कि वॉशिंगटन अब तानाशाहों से निपटने के लिए आगे क्या करना है यह जानता है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब जेलेंस्की से मादुरो की गिरफ्तारी पर सवाल पूछा

गया, तो उन्होंने कहा मैं क्या कह सकता हूँ? अगर तानाशाहों के साथ ऐसा किया जा सकता है, तो

ने अमेरिका से मादुरो और उनकी पत्नी सिल्विया फ्लोरेस को रिहा करने की अपील की है। रूसी विदेश

बीच विवादों का समाधान बातचीत के जरिए होना चाहिए। न्यूयॉर्क में चलेगा मादुरो पर मुकदमा अमेरिकी



अमेरिका जानता है कि अगला कदम क्या होना चाहिए। उनका यह बयान साफ तौर पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन की ओर संकेत माना जा रहा है। रूस ने की मादुरो को रिहा करने की मांग इस बीच रूस

मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मादुरो वेनेजुएला के वैध रूप से चुने गए राष्ट्रपति हैं और अमेरिका को उन्हें तुरंत रिहा करना चाहिए। रूस ने यह भी जोर दिया कि अमेरिका और वेनेजुएला के

वॉक का वीडियो भी जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा, जो अपनी खराब और अमानवीय परिस्थितियों के लिए कुख्यात है।

वॉक का वीडियो भी जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा, जो अपनी खराब और अमानवीय परिस्थितियों के लिए कुख्यात है।

दंगाईयों को उनकी जगह दिखाओ विरोध प्रदर्शन के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की धमकी



तेहरान। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों को लेकर वहां के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का बयान सामने आया है। खामेनेई ने सुरक्षा बलों को खुली छूट देते हुए प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का बयान सामने आया है। खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों को धमकी दी है और सुरक्षाबलों को सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। खामेनेई ने कहा कि जो दंगाई हैं, उन्हें उनकी जगह दिखाई जाए। खामेनेई का बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान में आर्थिक संकट को लेकर बीते कई दिनों से विरोध प्रदर्शन जारी हैं। इन विरोध प्रदर्शनों में 15 लोगों की मौत हो चुकी है। खामेनेई के इस बयान को ईरान के सुरक्षा बलों के लिए खुली छूट माना जा रहा है और अब वे प्रदर्शनकारियों पर और सख्ती बढ़ा सकते हैं। खामेनेई ने विदेशी ताकतों पर लगाए साजिश रचने के आरोप ईरान के राष्ट्रीय टीवी पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का बयान जारी किया गया। इस बयान में खामेनेई ने कहा, 'हम प्रदर्शनकारियों से बात कर रहे हैं, अधिकारियों को भी प्रदर्शनकारियों से बात करनी चाहिए, लेकिन बात करने से कोई फायदा नहीं होगा। दंगाइयों को उनकी जगह पर पहुंचा देना चाहिए।'

खामेनेई ने विरोध प्रदर्शन के पीछे विदेशी ताकतों के हाथ होने का दावा किया। उन्होंने कहा, 'दुश्मनों का द्वारा खरीदे गए कुछ लोग इस विरोध प्रदर्शन के पीछे हैं, जो दुकानदारों और प्रदर्शनकारी लोगों के पीछे से ईरान, ईरानी गणतंत्र और इस्लाम के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।' अमेरिका ने प्रदर्शनकारियों का किया समर्थन ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के अभी थमने के आसार नहीं लग रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन कर दिया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि अगर ईरान की सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा करती है तो अमेरिका उनके बचाव में आएगा। ट्रंप के इस बयान पर ईरान की सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी सैनिकों पर हमले की धमकी दी। ईरान में साल 2022 में भी एक 22 वर्षीय युवती महसा अमीनी की मौत के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। महसा अमीनी को बुर्का न पहनने के लिए प्रताड़ित किया गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। 2022 के बाद ईरान में अब इतने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ईरान के कट्टरपंथी नेता प्रार्शनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं ईरान के राष्ट्रपति मसूद पोज़िशियन प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने के पक्ष में हैं।

मामला ड्रग्स या लोकतंत्र का नहीं तेल का ,वेनेजुएला को लेकर ट्रंप पर भड़कीं कमला हैरिस

वॉशिंगटन। वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी पर कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा। उन्होंने कहा यह कार्रवाई लोकतंत्र या ड्रग्स नहीं, तेल हितों से प्रेरित है। वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिल्विया फ्लोरेस की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिका की राजनीति में तीखी बहस छिड़ गई है। पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने इस कार्रवाई को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर सीधा हमला बोला है। हैरिस ने कहा कि यह कदम न तो ड्रग

तस्कारी रोकने के लिए है और न ही लोकतंत्र की रक्षा के लिए, बल्कि लिखा कि वेनेजुएला में ट्रंप की कार्रवाई अमेरिका को न तो ज्यादा



इसके पीछे तेल हित हैं। 'तेल की जंग, लोकतंत्र का बहाना कमला हैरिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर

सुरक्षित बनाती है और न ही मजबूत। उन्होंने कहा मादुरो एक क्रूर और अवैध तानाशाह हो सकता है,

लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यह कार्रवाई सही या कानूनी है। हमने पहले भी ऐसा देखा है तेल या सत्ता परिवर्तन के नाम पर शुरू की गई जंग, जो अंत में अराजकता बन जाती है। हैरिस ने चेतावनी दी कि जबरन सत्ता परिवर्तन की नीति से पूरा क्षेत्र अस्थिर हो सकता है और इससे अमेरिकी सैनिकों की जान जोखिम में पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के पीछे न तो कोई स्पष्ट कानूनी आधार है और न ही कोई एजिट प्लान। न्यूयॉर्क के मेयर ने बताया युद्ध जैसी कार्रवाई न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान

ममदानी ने भी मादुरो और उनकी पत्नी की गिरफ्तारी की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे युद्ध जैसा कदम और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। एक्स पर पोस्ट करते हुए ममदानी ने कहा कि उन्हें अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़कर न्यूयॉर्क लाने और संघीय हिरासत में रखने की जानकारी दी गई है। उनका कहना था कि किसी संप्रभु देश पर एकतरफा हमला करना युद्ध की श्रेणी में आता है और यह अमेरिकी व अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। मेयर ममदानी

ने चेतावनी दी कि इस कदम के न्यूयॉर्क में रहने वाले हजारों वेनेजुएलाइयों पर गंभीर असर पड़ सकता है। तेल भंडार पर ट्रंप की नजर? मादुरो की गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने बयान दिया कि अमेरिका अब वेनेजुएला के विशाल तेल भंडारों को अपने नियंत्रण में लेगा। गौरतलब है कि वेनेजुएला के पास करीब 303 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है, जो दुनिया के सबसे बड़े प्रमाणित तेल भंडारों में से एक है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी तेल कंपनियां वहां निवेश कर तेल क्षेत्र का पुनर्निर्माण करेंगी।

गुड नाइट, हैप्पी न्यू ईयर गिरफ्तारी के बाद न्यूयॉर्क पहुंचने पर ये थे निकोलस मादुरो के पहले शब्द

न्यूयॉर्क। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अमेरिका की हिरासत से एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि निकोलस मादुरो गिरफ्तारी के बाद भी शांत बने हुए हैं और उन्होंने अमेरिकी अधिकारियों को गुड नाइट कहा और नए साल की शुभकामनाएं भी दीं। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करने के बाद रविवार को न्यूयॉर्क लाया गया। न्यूयॉर्क में डीईए के केंद्र में निकोलस मादुरो की हाथों में हथकड़ी लगे वीडियो सामने आई है। डीईए सेंटर पहुंचने पर मादुरो ने वहां के अधिकारियों से कहे अपने पहले शब्दों में उन्हें नए साल का शुभकामनाएं दीं। सामने आया वीडियो निकोलस मादुरो के डीईए सेंटर लाए जाने का वीडियो सामने आया है। जिसमें दिख रहा है कि डीईए के दो अधिकारी निकोलस मादुरो को पकड़कर ला रहे हैं और एक अन्य अधिकारी पीछे चल रहे हैं। निकोलस मादुरो के हाथों में हथकड़ी बंधी है और दोनों अधिकारी उन्हें पकड़कर चल रहे हैं। वीडियो में दिख रहा है कि निकोलस मादुरो ने डीईए के अधिकारियों को गुड नाइट और हैप्पी न्यू ईयर कहा। वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति बर्नी कार्यावाहक राष्ट्रपति अमेरिका द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को बंधक बनाए जाने के बाद वेनेजुएला के सुप्रीम कोर्ट ने उपराष्ट्रपति डेलसी रोड्रिगुज को कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त कर दिया है। वेनेजुएला के सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने शनिवार को आदेश जारी करते हुए कहा कि निकोलस मादुरो की अनुपस्थिति में डेलसी रोड्रिगुज देश की कार्यवाहक राष्ट्रपति होंगी। अदालत ने कहा कि यह कदम प्रशासनिक निरंतरता और राष्ट्र की समग्र रक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वह आगे इस मामले पर कानूनी दांचे को लेकर चर्चा करेगा, ताकि राज्य की निरंतरता, सरकार का संचालन और संप्रभुता की रक्षा की जा सके। शनिवार को अभियान चलाकर अमेरिका ने निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ा न्यूयॉर्क पहुंचने पर मादुरो को मैनेहट्टन स्थित संघीय अदालत में पेश किया जाना है। अमेरिका की खुफिया एजेंसियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाकर शनिवार को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिल्विया फ्लोरेस को वेनेजुएला की राजधानी कराकास से गिरफ्तार किया और उन्हें अमेरिका लाया गया है।